Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding release of Sikh prisoners languishing in jails after completion of their sentences.

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिंडा): सर, मैं इस सरकार का ध्यान उन बंदी सिखों की तरफ दिलाना चाहती हूं जो पिछले 25-30 सालों से, अपनी सजा पूरी करने के बावजूद, अभी तक जेलों में कैद हैं। …(व्यवधान) वर्ष 1984 में जब काँग्रेस की सरकार ने हमारे धार्मिक स्थान श्री हरमन्दिर साहिब में टैंकों और तोपों के साथ हमला किया था तो उस समय हमारे कुछ सिख भाइयों ने अपनी भावनाओं में बह कर ऐसे कदम उठा लिए थे, जिसके कारण उन्हें सजा हुई थी। …(व्यवधान) उनकी सजा पूरी होने के बाद दोगुनी सजा हो गई है, लेकिन अब भी उन्हें रिहाई नहीं मिली है। …(व्यवधान) गुरु नानक देव जी के 550वें जन्म दिन पर वर्ष 2019 में इस सरकार ने ऐसे आठ सिखों की रिहाई के लिए स्पेशल रिमीशन के लिए कहा था और एक की फाँसी की सजा को उम्र कैद में बदलने के लिए कहा था।…(व्यवधान) वर्ष 2019 निकल गया, वर्ष 2020 निकल गया, वर्ष 2021 निकल गया और अब वर्ष 2022 का गुरु पर्व आने वाला है। …(व्यवधान) मैं पूछना चाहती हूं कि प्रोफेसर भुल्लर जैसे लोग, जो अपनी सही मानसिक या फिजीकल हालत में नहीं हैं कि वे अपनी देखभाल कर सकें, लेकिन अब भी उन्हें जेल में 27 सालों से बंद किया गया है जबकि उनकी सजा पूरी हो गई है। …(व्यवधान)

केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में वादे करती है, लेकिन यहां उन्हें कैद में रखती है, उन्हें फ्री नहीं करती है। …(व्यवधान) उनके मंत्री इसे रोक कर रखते हैं। …(व्यवधान)

सर, बलवंत सिंह राजोआना 27 सालों से जेल में बंद हैं। पहली बार उन्हें फरवरी में अपने पिता के अंतिम संस्कार में जाने के लिए एक घंटे की पैरोल मिली। …(व्यवधान) इस सरकार ने वर्ष 2019 में उनकी फाँसी की सजा को हटाकर उम्र कैद की थी। …(व्यवधान) अब सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि सरकार जवाब दे। …(व्यवधान) मैं पूछना चाहती हूं कि इनकी उम्र कैद की सजा पूरी करके इन्हें रिहा कब किया जाएगा?… (व्यवधान)

खैरा साहब 30 सालों से जेल में बंद हैं। …(व्यवधान) कांग्रेस सरकार भावनाएं क्या जानेगी, इनकी माँ तो इन्दिरा गाँधी हैं। …(व्यवधान) इनकी भावनाएँ तो अकाल तख्त पर हमले के साथ इन्दिरा गाँधी के साथ जुड़ी हुई हैं, लेकिन सिख कौम की भावनाएं उन बंदी सिखों के साथ जुड़ी हुई हैं, जो 30-30 सालों से काल कोठरी में बंद हैं। …(व्यवधान)

माननीय सभापति: अपनी डिमांड रखिए।

… (व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : सर, इन्दिरा गाँधी की हत्या होती है, राजीव गाँधी की हत्या होती है, वे सब रिहा हो जाते हैं, फिर भाई राजोआना और भुल्लर साहब क्यों रिहा नहीं हो सकते?… (व्यवधान)

सरकार यह जवाब दे कि उन्हें जल्द से जल्द रिहा करेगी या नहीं और हमारे बंदी सिख भाई, जिन्होंने सजा पूरी कर ली है, क्या उन पर फंडामेंटल राइट्स एप्लाई नहीं करते हैं?… (व्यवधान) आर्टिकल-21 उन्हें‘ राइट-टू-लाइफ ’देती है। …(व्यवधान)